



सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड
Satluj Jal Vidyut Nigam Ltd.

(A Joint Venture of Govt. of India & Govt. of Himachal Pradesh)

Corporate Headquarter : Himfed Building, New Shimla - 171009

Expediting Office : Icon Building, C-4, District Centre, Saket, New Delhi-110017

Phone : 011-41659207, 41659205 Fax : 011- 41659204

Visit us at www.sjvn.nic.in

Save Energy for Benefit of Self & Nation

वार्षिक रिपोर्ट Annual Report

2007-08



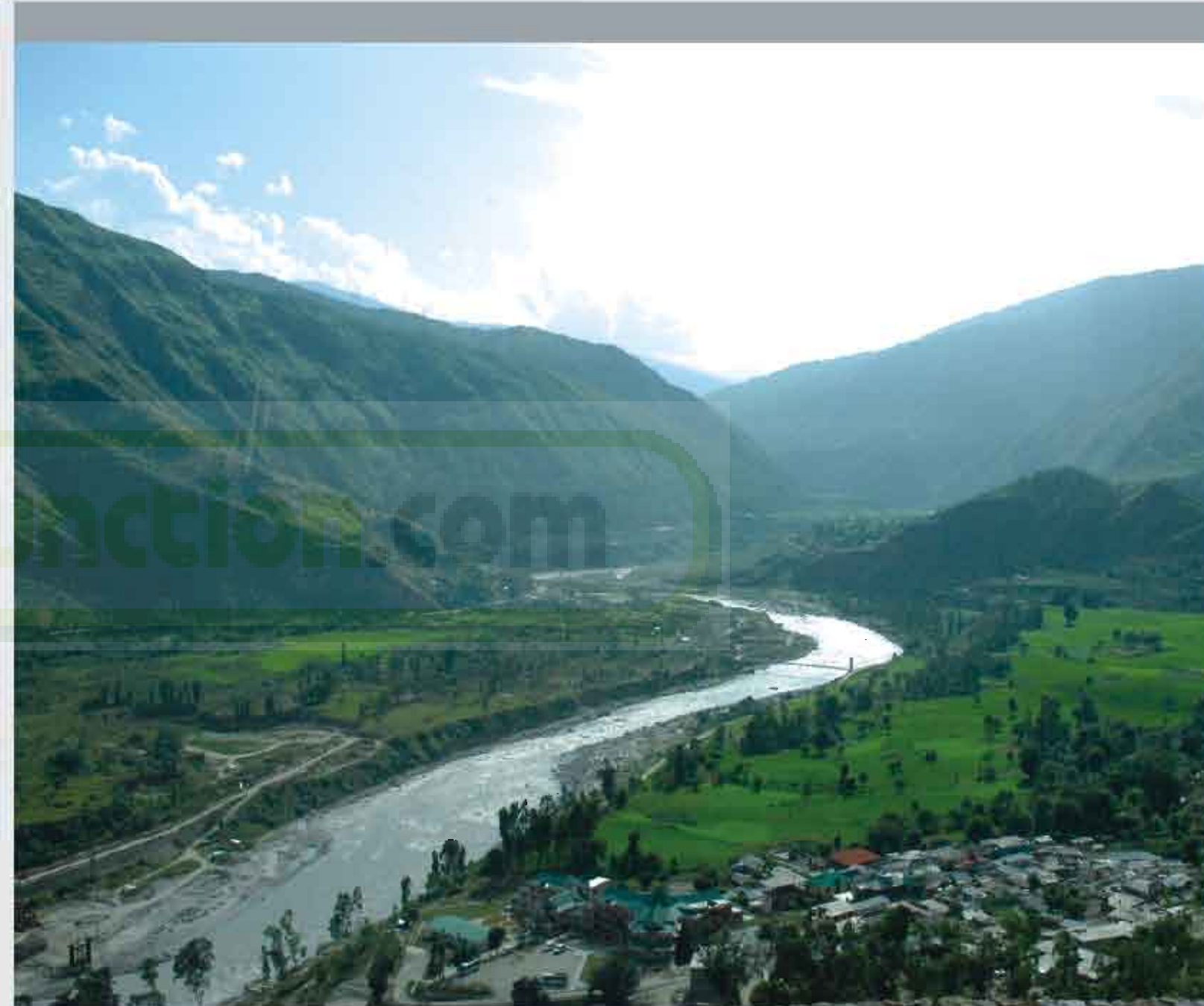
सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड
Satluj Jal Vidyut Nigam Ltd.

Rising for the National Cause



As a responsible Corporate Citizen, SJVN have contributed a sum of Rs.2.5 crore, to the Prime Minister's National Relief Fund in the wake of devastating flood in river Kosi which has inundated thousands of people in the state of Bihar. A cheque of the amount was handed over to the Hon'ble Union Minister of Power Shri Sushilkumar Shinde and the Minister of State for Power Shri Jairam Ramesh, by the Company's Chairman & Managing Director, Shri H. K. Sharma. The contributions so received from the Power Sector PSU's were further presented to the Hon'ble Prime Minister of India, Dr. Manmohan Singh on 3rd Sept., 2008.

Looking beyond the Horizon



Upcoming 412 MW Rampur Hydro electric Project on river Satluj



विषय-सूची ❖ CONTENTS

अध्यक्षीय संबोधन Chairman's Statement	9
निदेशक मण्डल की रिपोर्ट Directors' Report	13
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट Auditors' Report	29
भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ Comments of the C & AG	35
वार्षिक लेखा 2007-08 Annual Accounts 2007-08	38

Report Junction.com

कंपनी : पी.एस.आर. मूर्ति सचिव	Company : P.S.R. Murthy Secretary
लेखा : आर. बंसल एण्ड कं. परीक्षक सनदी लेखाकर, चण्डीगढ़	Auditors : R. Bansal & Co. Chartered Accountants, Chandigarh.
बैंकर्स : — आई.डी.बी.आई. बैंक — ऐक्सिस बैंक — पंजाब नेशनल बैंक — स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	Bankers : - IDBI Bank - AXIS Bank - Punjab National Bank - State Bank of India
पंजीकृत : हिमफेड बिल्डिंग, कार्यालय न्यू शिमला — 171009	Registered : Himfed Building, Office New Shimla - 171009

दूर-दृष्टि

निगम की व्यवहार्यता निरंतर बनाए रखने के लिए स्वस्थ वाणिज्यिक सिद्धांतों की आधार-शिला पर मानवीय कुशलता एवं मनोभावों के साथ विकास की संभावनाओं को पुनर्गठित कर मविध्य की जलविद्युत ऊर्जा के अपार संसाधनों के रूप में भारत को विश्व पटल पर प्रस्तुत करना।

मिशन

हिमाचल प्रदेश में सतलुज नदी घाटी में एवं किसी भी अन्य स्थान पर जलविद्युत परियोजनाओं की आयोजना, अन्वेषण, संगठन, निष्पादन, प्रचालन तथा अनुरक्षण करना।

उद्देश्य

उपर्युक्त मिशन को पूरा करने की दृष्टि से कंपनी ने अपने लिए निम्नलिखित कारपोरेट उद्देश्य निश्चित किए हैं:

- अधिकतम निष्पादन दक्षता के साथ विद्युत केन्द्रों का प्रचालन एवं अनुरक्षण।
- युक्तियुक्त व्यावसायिक, वित्तीय एवं नियामक नीतियों की स्थापना एवं अनुपालन।
- अन्य जल विद्युत परियोजनाओं को हाथ में लेना।
- सतलुज जल विद्युत निगम को आबंटित नई परियोजनाओं को कम से कम लागत सहित प्रभावी ढंग से पूरा करना।
- सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत परियोजना प्रबंधन तकनीकों का प्रयोग करके परियोजना निष्पादन के लिए सर्वोत्तम प्रबंधन व्यवहारों को क्रियान्वित करना तथा अतिरिक्त प्रशिक्षण दिलाकर इंजीनियरों को परियोजना प्रबंधन के क्षेत्र में प्रमाणीकृत परियोजना प्रबंधक बनने में सक्षम करना।
- आंतरिक रूप से उपलब्ध तकनीकी एवं प्रबंधकीय विशेषज्ञता का अन्य उपयोगिताओं/परियोजनाओं में प्रसार।
- सहभागिता प्रबंधन दर्शन की शुरुआत करते हुए कार्य संस्कृति एवं कार्य वातावरण तैयार करना, जो कि संगठन एवं कर्मचारियों दोनों की संवृद्धि एवं विकास में सहायक होगा।
- समाज के प्रति सामाजिक दायित्वों को पूरा करना। पणधारियों, समकक्षों तथा अन्य संबंधित संगठनों का सृजनात्मक सहयोग हासिल करना तथा व्यक्तिगत संबंध बनाना।
- पर्यावरण संबंधी तथा सामाजिक विक्षोभ को न्यूनतम रखते हुए परियोजना के स्वस्थ पर्यावरण एवं स्वच्छ वातावरण को बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील रहना।
- नव रत्न स्टेट्स प्राप्त करने हेतु प्रयास करना।

VISION

TO MAKE INDIA A FOUNTAINHEAD OF HYDRO POWER AND THE ENERGY SOURCE OF THE FUTURE BY REORGANISING DEVELOPMENT WITH PASSION AND PROFESSIONALISM FOR SUSTAINABLE VIABILITY OF THE CORPORATION ON BEDROCK OF SOUND COMMERCIAL PRINCIPLES.

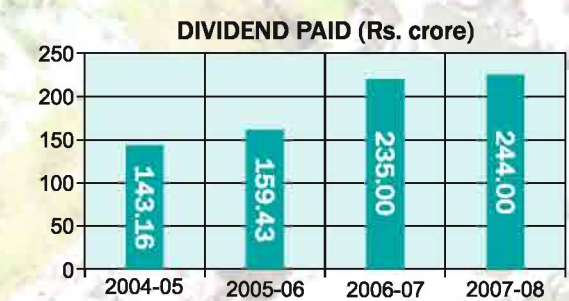
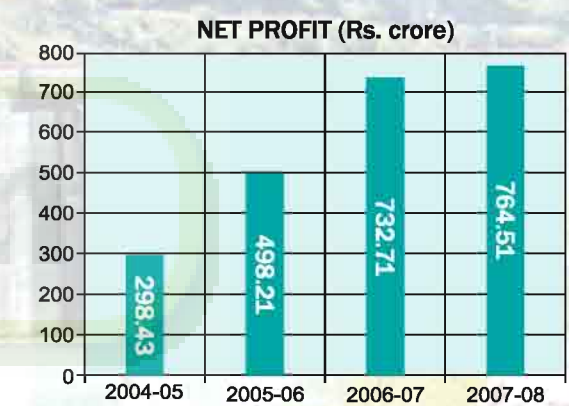
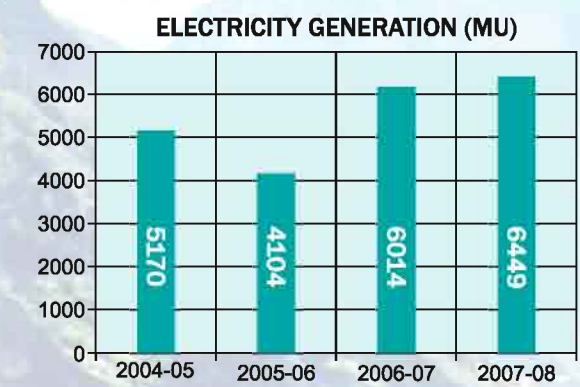
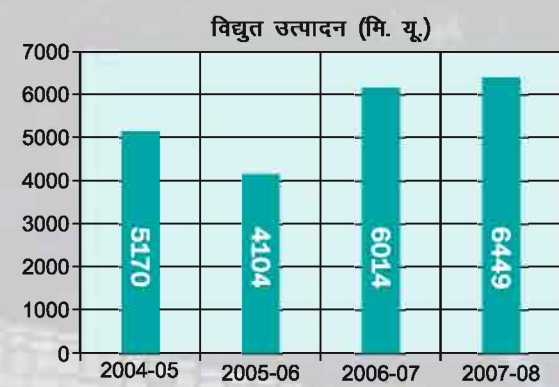
MISSION

TO PLAN, INVESTIGATE, ORGANISE, EXECUTE, OPERATE AND MAINTAIN HYDROPOWER PROJECTS IN THE SATLUJ RIVER BASIN IN HIMACHAL PRADESH AND AT ANY OTHER PLACE.

OBJECTIVES

In the pursuit of above mission, the company had set for itself the following corporate objectives :

- Operating and maintaining power stations with maximum performance efficiency.
- Establishing and following sound business, financial and regulatory policies.
- Taking up of other Hydro Power projects.
- Completion of the new projects allocated to SJVN in an efficient and cost effective manner.
- Use of the best project management practices for the project implementation by applying latest universally accepted Project Management Techniques, and by enabling its Engineers, to become certified Project Managers through further trainings.
- Dissemination of available in-house technical and managerial expertise to other utilities/projects.
- Creating work culture and work environment conducive to the growth and development of both the organization and the individuals through introduction of participative management philosophy.
- Fulfilling social commitments to the society. Achieving constructive cooperation and building personal relations with stakeholders, peers, and other related organizations.
- Striving clean and green project environment with minimal ecological and social disturbances.
- To strive for acquiring Nav Ratna Status.





निदेशक मंडल BOARD OF DIRECTORS



श्री एच. के. शर्मा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Shri H. K. SHARMA
Chairman & Managing Director



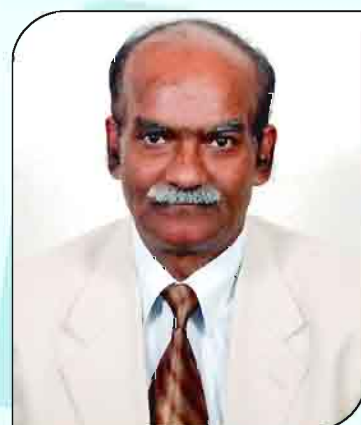
श्री जे. के. शर्मा
निदेशक (सिविल)
Shri J. K. SHARMA
Director (Civil)



श्री कृष्ण कुमार गर्ग
निदेशक (वित्त)
Shri K. K. Garg
Director (Finance)



श्री आर. एस. कटोच
निदेशक (कार्मिक)
Shri R. S. Katoch
Director (Personnel)



श्री आर. पी. सिंह
निदेशक (विद्युत)
Shri R. P. Singh
Director (Electrical)



श्री गुरदयाल सिंह
सदस्य (एचई), सीईए
Shri Gurdial Singh
Member (HE), CEA



श्री जे. एस. कावले
संयुक्त सचिव (जल विद्युत), विद्युत मंत्रालय
Shri J. S. Kawale
Joint Secretary (Hydro) Ministry of Power



श्री अजय मिश्र
प्रधान सचिव (ऊर्जा), हिमाचल प्रदेश सरकार
Shri Ajay Mittal
Principal Secretary (Power) Govt. of Himachal Pradesh



श्री के. एस. गिल
स्वतंत्र निदेशक
Shri K.S. Gill
Independent Director



श्री राजेश वर्मा
संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार, विद्युत मंत्रालय
Shri Rajesh Verma
Joint Secretary & Finance Advisor, Ministry of Power



श्री अरविन्द मेहता
प्रधान सचिव (वित्त), हिमाचल प्रदेश सरकार
Shri Arvind Mehta
Principal Secretary (Finance) Govt. of Himachal Pradesh



श्री एस. एम. लोढ़ा
स्वतंत्र निदेशक
Shri S. M. Lodha
Independent Director



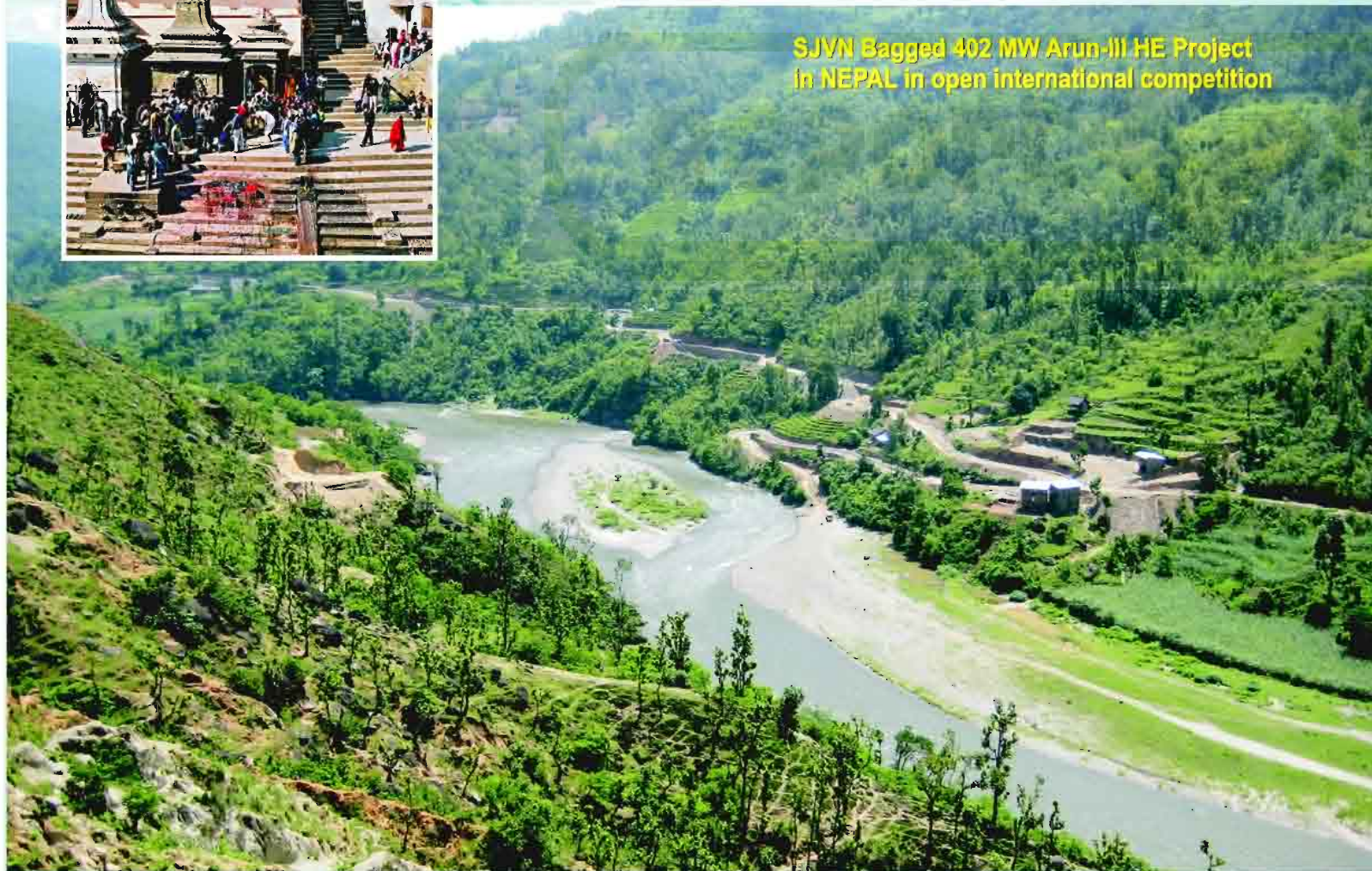
श्री के. एस. शर्मा
स्वतंत्र निदेशक
Shri K.S. Sharma
Independent Director

A Mini Ratna with Mega Performance

Going Beyond Boundaries...
... looking beyond the Horizon



SJVN Bagged 402 MW Arun-III HE Project
in NEPAL in open international competition



A view of Arun river in Nepal
Inset : Pashupati Nath Temple



Chairman's Statement अध्यक्षीय संबोधन

मान्यवर,

आज, 30 अगस्त, 2008 को संपन्न होने जा रही 20वीं आम वार्षिक बैठक में मैं आप सभी को सहर्ष आमंत्रित करता हूँ। वर्ष 2007-08 के परीक्षित वार्षिक लेखे सहित लेखा परीक्षकों एवं निदेशक मंडल की रिपोर्ट आपके पास पहले से ही उपलब्ध है तथा आपकी अनुमति से मैं इसे पढ़ा हुआ मान लेता हूँ।

सर्वप्रथम, मैं "नई जलविद्युत नीति 2008" संबंधी पहल के लिए विद्युत मंत्रालय को बधाई देता हूँ और इस नीति का स्वागत करता हूँ। बिजली की बढ़ रही माँग और कोयला आधारित बिजली संयंत्रों द्वारा उत्सर्जित ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव के प्रति बढ़ती चिंताओं के इस दौर में जलविद्युत ऊर्जा एक सर्वोत्तम उपलब्ध विकल्प है और मुझे यकीन है कि इस पहल से आने वाले समय में जल विद्युत क्षेत्र के विकास को बल मिलेगा।

विशिष्ट घटनाक्रम

यद्यपि कंपनी के कार्य-निष्पादन संबंधी विस्तृत जानकारी निदेशक मण्डल की रिपोर्ट में दी गई है, तथापि मैं कुछ उपलब्धियों का जिक्र आपके समक्ष करना चाहूँगा। हमारी कंपनी ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच नेपाल सरकार से अरुण-III परियोजना (402 मेगावाट) बूट आधार पर हासिल कर मार्च, 2008 में नेपाल सरकार के साथ निष्पादन संबंधी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी धौलासिद्ध परियोजना (40 मेगावाट) हमें सौंपकर इसके अन्वेषण, तदोपरान्त निर्माण के लिए जून, 2008 में सैद्धांतिक अनुमोदन प्रदान किया। भारत सरकार ने हमारी कंपनी को कार्य निष्पादन के आधार पर मई, 2008 में मिनी रत्न श्रेणी-न का दर्जा प्रदान करने के साथ-साथ शेड्यूल "ए" श्रेणी की कंपनी के रूप में अपग्रेड किया है। सितम्बर, 2005 में विद्युत संयंत्र को हुई क्षति और

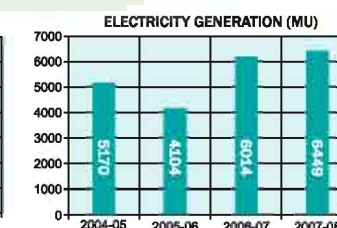
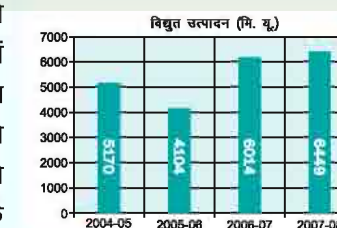
Dear Members,

I cordially invite you to the 20th Annual General Meeting scheduled today, the August 30th, 2008. The Annual Audited Accounts along with the Report of the Auditors and Directors for the year 2007-08 are already with you and with your permission, I would take them as read.

At the very outset, I congratulate the Ministry of Power for initiatives in bringing "New Hydro Policy 2008" and welcome the policy. In the times of growing demand for power and concern for the Green House Gas emissions by coal based power plants, the best available option is hydro potential and this initiative, I am sure, shall boost the hydro power development in the times to come.

Highlights of the Year

While the Directors' Report has extensively dealt with the performance of the Company, a few achievements, I prefer to share with you. Your Company amidst tough competition, bagged Arun-III Project (402 MW) from Government of Nepal on BOOT basis and executed MoU with Government of Nepal in March 2008. The Government of Himachal Pradesh also allotted Dhaulasidh Project (40 MW) and given in-principle approval for investigation and subsequent development of the Project in June 2008. Considering your company's performance, the Government of India, conferred Mini-Ratna Category-I status and upgraded the Company to Schedule 'A' category in May 2008. Following the damage to power plant in September 2005 and





विद्युत आपूर्ति में आई बाधा के उपरांत कंपनी द्वारा बीमाकर्ताओं, विशेषज्ञों तथा सर्वेक्षणकर्ताओं के साथ जोरदार ढंग से निरंतर अनुवर्ती कार्यवाही करने के फलस्वरूप कंपनी को कारोबार बाधित होने की एवज में 236.68 करोड़ रुपए तथा क्षतिग्रस्त सामग्री के लिए 71.19 करोड़ रुपए मई, 2008 में प्राप्त हुए।

वित्तीय निष्पादन पर नजर डालें तो कंपनी ने पिछले वर्ष के 732.71 करोड़ रुपए की तुलना में इस वर्ष 764.51 करोड़ रुपए का कर-पश्चात् शुद्ध लाभ कमाया है और पिछले वर्ष के 235 करोड़ रुपए की तुलना में निदेशक मण्डल ने इस वर्ष 244 करोड़ रुपए का लाभांश घोषित किया है। नाथपा झाकड़ी परियोजना से बिजली के वाणिज्यिक उत्पादन की शुरुआत के उपरांत लाभ में उत्तरोत्तर वृद्धि तरक्की के वायदों की गवाह है।

भविष्य की योजनाएँ

वर्तमान में देश की कुल स्थापित विद्युत क्षमता 1,41,080 मेगावाट है, जिसमें से जलविद्युत क्षमता 35208 मेगावाट है। भारत की आकलित संभाव्य जलविद्युत क्षमता लगभग 1,50,000 मेगावाट है। राष्ट्रीय विद्युत नीति के अनुसार सन 2012 तक सभी को बिजली उपलब्ध कराने तथा बिजली खपत के 631 यूनिट प्रति व्यक्ति के वर्तमान स्तर को बढ़ाकर 1000 यूनिट प्रति व्यक्ति करने के लिए 11वीं पंचवर्षीय योजना में बिजली उत्पादन क्षमता में 78,577 मेगावाट की बढ़ोतरी करनी होगी। जलविद्युत उत्पादन की मौजूदा संस्थापित क्षमता परिकल्पित संभावित जलविद्युत क्षमता का लगभग एक चौथाई से भी कम है। मुझे यह कहते हुए खुशी है कि हमारे लिए कारोबार की असीम संभावनाएँ हैं और हम प्रत्येक अवसर का लाभ उठा रहे हैं।

रामपुर परियोजना (412 मेगावाट) का निर्माण कार्य फरवरी, 2007 में मुख्य सिविल कार्यों के अवार्ड के साथ पहले ही शुरू हो चुका है। अधिकांश घटकों के सिविल कार्यों की प्रगति तत्संबंधी अनुसूची के अनुरूप है। कंपनी द्वारा 11वीं पंचवर्षीय योजना में 40 मेगावाट की धौलासिद्ध परियोजना सहित

बिजली उत्पादन क्षमता में 452 मेगावाट की वृद्धि की जाएगी। हिमाचल प्रदेश में लूहरी तथा उत्तराखण्ड में अन्य अनुमोदनाधीन/ अन्वेषणाधीन परियोजनाएँ 12वीं योजना में शुरू किए जाने की आशा है, जिससे कंपनी की बिजली उत्पादन क्षमता में 1131 मेगावाट की वृद्धि होगी।

इसके अतिरिक्त, कंपनी ने सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश तथा पड़ोसी देशों में विद्युत परियोजनाओं के निष्पादन में रुचि दिखाई है। कंपनी द्वारा संयुक्त उपक्रम स्थापित करने सहित अन्य कंपनियों में इक्विटीगत निवेश करने हेतु प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि निजी क्षेत्र हेतु चिन्हित परियोजनाएँ विभिन्न सरकारों से हासिल की जा सकें।

interruption in supply of power, your company made relentless and protracted follow up with Insurers, Experts, Surveyors, as a result of which, a claim of Rs.236.68 crores on account of business interruption and Rs.71.19 crores towards materials damage was realized in May 2008.

As regards Financial performance, your company earned Net profit after tax of Rs.764.51 crores as against Rs.732.71 crores during the previous year and your Board has recommended a dividend of Rs.244 crores as against Rs.235 crores for the previous year. The increase in profit year after year since commercial operation of Nathpa Jhakri Project witnesses the promised growth.

Future Plans

The total installed capacity of power generation in India is presently at 1,41,080 MW. Out of this, 35,208 MW comes from Hydro sector as against India's estimated hydro power potential of about 1,50,000 MW As per the National Electricity Policy, power for all by 2012 and per capita consumption of electricity to rise to 1000 units from the present level of 631 units requires a capacity addition of 78,577 MW in the 11th Plan. Present installation capacities indicate less than one-fourth of the envisaged potential. I am happy to say that the business opportunities for us are enormous and we are availing every opportunity.

Rampur Project (412 MW) has already commenced with the award of major civil works in February 2007. The progress of civil works is as per the schedule in most of the components. With Daulasidh Project (40 MW), the capacity addition, by your company, in the 11th plan shall be 452 MW. Other projects, namely, Luhri in Himachal Pradesh and other projects in Uttarakhand, which are presently under approval/investigation, are expected to come up in the 12th Plan and capacity addition shall be around 1131 MW.

Further, the company had also submitted Expression of Interests for executing projects in other States like Sikkim, Arunachal Pradesh and neighboring countries. Efforts are also being made for equity investment in other companies including formation of joint ventures so as to secure projects from the governments which are earmarked for private sector.

उपर्युक्त प्रयासों एवं संभावनाओं से हमारी कंपनी निस्संदेह समृद्ध होगी। साथ ही, देश एवं इसकी जनता की समृद्धि में भी वृद्धि करेगी।

With the above efforts and opportunities, I have no doubt that the company shall not only prosper but also bring prosperity to the Country and her people.



आभार

अंत में, मैं निदेशक मंडल के सभी सदस्यों, भारत सरकार, नेपाल सरकार, हिमाचल प्रदेश सरकार, उत्तराखण्ड सरकार तथा अन्य सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी एजेंसियों तथा कर्मचारियों, वित्तीय संस्थानों, ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त सहायता और मार्गदर्शन के लिए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ।

ACKNOWLEDGEMENT

At the end, I would like to place on record my gratitude for the assistance, guidance and co-operation received from all the Members of the Board, Government of India, the Government of Nepal, the Government of Himachal Pradesh, the Government of Uttarakhand, and all the other governmental and non-governmental agencies and the Employees, Financial Institutions, Contractors and Suppliers.

सधन्यवाद।

Thanking you,

Yours sincerely,

स्थान: शिमला
दिनांक: 30 अगस्त, 2008

आपका
(हेमंत कुमार शर्मा)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Place: Shimla
Date: 30th August, 2008

(H.K. Sharma)
Chairman & Managing Director

A Mini Ratna with Mega Performance

Producing Power....

....Generating Prosperity



Presenting the Dividend cheque to Shri Sushilkumar Shinde, Hon'ble Minister of Power



Presenting the Dividend cheque to Shri Prem Kumar Dhumal, Hon'ble Chief Minister of Himachal Pradesh

FINANCIAL PERFORMANCE

(2007-08)

Total Income : Rs. 1582.21 crore

Net Profit : Rs. 764.51 crore

Dividend : Rs. 244.00 crore



निदेशक मंडल की रिपोर्ट 2008 DIRECTORS' REPORT 2008

मान्यवर,

आपके निदेशक मंडल को दिनांक 31 मार्च, 2008 को समाप्त वर्ष से संबंधित लेखा परीक्षित खाते, लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट तथा भारत के लेखा नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियों सहित कंपनी की बीसवीं वार्षिक रिपोर्ट आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। नीचे दर्शाए गए नतीजों से आप देखेंगे कि 30 मार्च, 2004 को कंपनी की पहली इकाई के व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने के बाद आपकी कंपनी ने साल दर साल क्रमिक प्रगति की है।

Dear Members,

Your Directors are pleased to present the Twentieth Annual Report of the Company for the year ended March 31, 2008 along with the Audited Statement of Accounts, Report of Auditors and Comments of the Comptroller and Auditor General of India. You will appreciate from the results, the gradual progress achieved by your Company year after year since the beginning of the commercial operations of the company of the first unit on 30th March, 2004.

1. वित्तीय परिणाम

(रु. करोड़ में)

आय	2007-08	2006-07
समायोजन पश्चात् बिजली की शुद्ध बिक्री	1250.34	1618.23
अन्य आय	95.19	47.40
बीमा कंपनियों से प्राप्त दावा राशि	236.68	—
कुल आय	1582.21	1665.63
व्यय		
उत्पादन, प्रशासन तथा अन्य व्यय	106.43	140.10
मूल्यह्रास	259.81	466.15
गत वर्षों के रिटर्न बैंक के रूप में मूल्यह्रास संबंधी प्रावधान	(506.93)	शून्य
प्रावधान	63.97	0.12
ब्याज एवं वित्त प्रभार	224.36	271.18
पूर्व अवधि समायोजन	550.34	(37.73)
कुल व्यय	697.98	839.82
कर पूर्व लाभ	884.23	825.81
कर हेतु प्रावधान	119.72	93.10
कर पश्चात् शुद्ध लाभ	764.51	732.71
विनियोग:		
अंतरिम लाभांश (प्रदत्त)	136.00	66.67
प्रस्तावित लाभांश	108.00	168.33
कुल लाभांश	244.00	235.00
आरक्षित निधि में अंतरित राशि	479.05	459.75

1. FINANCIAL HIGHLIGHTS

(Rs. in crore)

INCOME	2007-08	2006-07
Net Sales after adjustments	1250.34	1618.23
Other Income	95.19	47.40
Claim from Insurance Co.	236.68	—
Total Income	1582.21	1665.63
EXPENDITURE		
Generation, Admn., & Other Exp.	106.43	140.10
Depreciation	259.81	466.15
Depreciation prov. of earlier yrs written back	(506.93)	Nil
Provisions	63.97	0.12
Interest and Finance charges	224.36	271.18
Prior Period Adjustment	550.34	(37.73)
Total Expenditure	697.98	839.82
Profit before Tax	884.23	825.81
Provision for Tax	119.72	93.10
Profit after Tax	764.51	732.71
Appropriations		
Interim dividend paid	136.00	66.67
Proposed Dividend	108.00	168.33
Total Dividend	244.00	235.00
Amount transferred to Reserves	479.05	459.75



Power House Control Room

2. बिजली उत्पादन

पिछले वर्ष के 6014.480 मिलियन यूनिट की तुलना में वर्ष 2007-08 के दौरान विद्युत उत्पादन 6448.977 मिलियन यूनिट हुआ।

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा एनजेएचपीएस के लिए मई, 2001 के डिस्चार्ज आंकड़ों के आधार पर 90% डिपेन्डेबल वर्ष के लिए यथा स्वीकृत डिजाइन विद्युत उत्पादन 6951 मिलियन यूनिट था, परंतु पर्यावरणीय पहलुओं की खातिर नदी में न्यूनतम अवलोकित डिस्चार्ज का न्यूनतम 15% बहाव सुनिश्चित करने, जलाशय की फ्लशिंग की वजह से संयंत्र बंद रखने, सिल्ट की मात्रा स्वीकृत सीमा से अधिक होने जैसे महत्वपूर्ण उत्तरवर्ती कारणों से डिजाइन विद्युत उत्पादन में संशोधन करना पड़ा। इन तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में आपकी कंपनी ने 90% डिपेन्डेबल वर्ष में संशोधित 6255 मिलियन यूनिट डिजाइन विद्युत उत्पादन का प्रस्ताव सीईए को प्रस्तुत किया है। सिल्ट की भारी मात्रा तथा जलाशय की फ्लशिंग करने की वजह से विद्युत संयंत्र बंद रखने संबंधी दिनों के निर्धारण के लिए सीईए ने सितंबर, 2009 तक के आंकड़े उपलब्ध कराने के लिए कहा है। संशोधित हाइड्रोलॉजी संबंधी विस्तृत नोट तदनुसार सीडब्ल्यूसी के हाइड्रोलॉजी निदेशालय को प्रस्तुत किया गया है, जो परीक्षाधीन है।

3. बिक्री

बिजली की बिक्री से कंपनी का वर्ष के दौरान सकल टर्नओवर 31.37 करोड़ रुपए के यूआई प्रभार सहित 1504.26 करोड़ रुपए रहा तथा चालू वर्ष में मूल्यहास के प्रति अग्रिम के लिए 189.36 करोड़ रुपए के समायोजनगत प्रावधान एवं गत वर्षों के लिए 64.56 करोड़ रुपए के टैरिफगत समायोजन के पश्चात् बिजली की शुद्ध बिक्री 1250.34 करोड़ रुपए रही।

टैरिफ निर्धारण के संबंध में आपकी कंपनी ने 01.04.2004 से 31.03.2009 तक टैरिफ के निर्धारण के लिए सीईआरसी के पास आरसीई-III के आधार पर फरवरी, 2008 में अंतिम टैरिफ याचिका दायर की। माननीय सीईआरसी ने दिनांक 5 मार्च, 2008 के आदेश के अनुसार याचिका स्वीकार करते हुए इस पर फैसला होने तक, हमारे 1409.83 करोड़ रुपए के एफसी संबंधी दावे की तुलना में,

2. GENERATION

During the year 2007-08, 6448.977 MUs of power was generated as compared to the previous year's generation of 6014.480 MUs.

While the Design Energy for the NJHPS as approved by CEA for 90% dependable year based upon discharge data up to May 2001 was 6951 MUs, the subsequent important factors, such as, ensuring minimum flow of 15% of the minimum observed discharge in the river for environmental considerations, shutdown of the plant during flushing of Reservoir and silt level exceeding the permissible limits, led to revision of the Design Energy. Considering these factors, your company proposed revised design energy at 6255 MUs in a 90% dependable year and submitted a proposal to CEA. CEA had advised that for finalizing the number of days of shutdown on account of high silt load and reservoir flushing, data up to September 2009 should be provided and further as per the advice of CEA, a detailed note on revised hydrology was submitted to Hydrology Directorate of CWC. The same is under examination.

3. SALES

The gross turnover from sale of energy for the year including UI charges of Rs.31.37 crore stood at Rs.1504.26 crore and net sale of energy after adjustment of provision of Rs.189.36 crore on account of advance against depreciation for the current year and tariff adjustment of Rs.64.56 crore for earlier years was Rs.1250.34 crore.

As regards tariff fixation, your Company filed Final Tariff Petition with CERC for determination of tariff from 01.04.2004 to 31.03.2009 in February 2008 based on RCE-III. The Hon'ble CERC vide order dated 05th March 2008 admitted the Petition and pending decision on the same, allowed the provisional tariff up to September 2008 based on the provisional Annual Fixed Charges

वित्तीय वर्ष 2007-08 के 1278.12 करोड़ रुपए के अस्थायी वार्षिक नियत प्रभारों (एफसी) के आधार पर सितंबर, 2008 तक के अस्थायी टैरिफ की मंजूरी दी है। इस याचिका की पहली सुनवाई अप्रैल, 2008 में हुई थी और सीईआरसी के माननीय सदस्यों, सीईआरसी तथा एनआरएलडीसी के अधिकारियों ने यथार्थ स्थिति के मूल्यांकन के लिए परियोजना का भ्रमण किया।

4. लाभान्श

कंपनी ने वर्ष के दौरान 764.51 करोड़ रुपए का कर पश्चात् शुद्ध लाभ अर्जित किया है और आपके निदेशकों ने पिछले वर्ष के 235 करोड़ रुपए की तुलना में रु. 244 करोड़ (पहले ही प्रदत्त रु. 136 करोड़ के अंतरिम लाभान्श सहित) के लाभान्श की संस्तुति की है। वार्षिक आम बैठक में आपके अनुमोदन के पश्चात् लाभान्श का भुगतान कर दिया जाएगा।

5. नई परियोजनाओं की स्थिति

5.1 अरुण-III परियोजना (402 मेगावाट)

एक बड़ी सफलता के रूप में आपकी कंपनी ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच नेपाल सरकार से अरुण-III (402 मेगावाट) परियोजना बूट आधार पर हासिल की है। रन.ऑफ.दि.रिवर किस्म की 2891 मिलियन यूनिट के डिजाइन विद्युत वाली यह परियोजना नेपाल के ईस्टर्न डेवलपमेंट क्षेत्र के संखुवासभा जिले में कोसी नदी की सहायक अरुण नदी पर अवस्थित है, जिसकी अनुमानित लागत 4400 करोड़ रुपए है। नेपाल सरकार को 21.9% बिजली निःशुल्क आबंटित करने के उपरांत लेवलाइज्ड टैरिफ सीईआरसी मानदण्डों के अनुसार 3.59 रुपए प्रति केडब्ल्यूएच रहने की उम्मीद है। सर्वेक्षण, अन्वेषण तथा डीपीआर बनाने के लिए कंपनी पहले ही नेपाल सरकार के साथ 2 मार्च, 2008 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर चुकी है और सर्वेक्षण लाइसेंस 21 जुलाई, 2008 को हासिल हो गया है। यह परियोजना फाइनेशियल क्लोजर की तिथि से 60 महीने की अवधि के भीतर पूरी की जानी है। आपकी कंपनी इस परियोजना को जनरेशन लाइसेंस जारी होने के उपरांत 30 वर्ष की अवधि के लिए चलाने हेतु अधिकृत है। विदेश में कंपनी की यह प्रथम परियोजना होने के परिप्रेक्ष्य में सभी स्तरों पर लक्ष्य पूरे किए जाने हेतु सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

(AFC) of Rs.1278.12 crore for the financial year 2007-08 against our claim of AFC for Rs.1409.83 crore. The First Hearing on the Petition was held in April 2008 and Hon'ble Members of CERC, officials of CERC and NRLDC also visited the project for assessment of factual position.

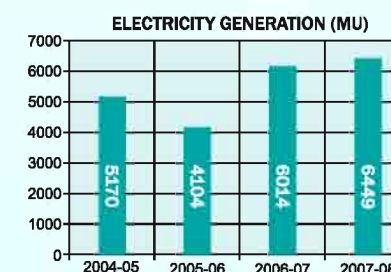
4. DIVIDEND

The Company earned a net profit after tax of Rs.764.51 crore during the year and as such your Directors had recommended a dividend of Rs.244 crore (including interim dividend of Rs.136 crore already paid) as against dividend of Rs.235 crore for the previous year. The dividend shall be paid after your approval.

5. STATUS OF NEW PROJECTS

5.1 Arun-III Project (402 MW)

One of the successes, your company achieved during the year, is securing the Arun-III Project (402 MW) on BOOT basis from Government of Nepal amidst tough competition. The Project is situated on River Arun, a tributary of River Koshi, Sankhuwasabha District of Eastern Development Region of Nepal and is run of river project with a design energy of 2891 MUs. The project is estimated to cost Rs.4400 crore. Considering 21.9% of free power to Government of Nepal, the levelised tariff is expected to be Rs.3.59 per kwh as per CERC norms. Your company had already executed MoU with Government of Nepal on 2nd March 2008 for survey, investigation and preparation of DPR and survey license has been obtained on 21st July 2008. The project is to be completed within 60 months from the date of financial closure. Your company will be entitled to operate the project for a period of 30 years from the date of issue of generation license. This being a first venture of your company on foreign land, all out efforts are being put in to achieve the milestones at all levels.



Takeoff point of access road for PH & TRT - Arun-III Project